ESTD. 2008

College Code 506

LATE GAYA PRASAD DEGREE COLLEGE

Affiliated to : Bundelkhand University Jhansi

BHABHUWA, BABERU (BANDA)

lategayaprasad@gmail.com www.lategayaprasad.com @lategayaprasad

संक्षिप्त परिचय

संचालन समिति

स्व. श्री गया प्रसाद सिंह शिक्षा समिति, भभुवा बबेरु-बाँदा

संस्था का नाम

स्व. गया प्रसाद महाविद्यालय, भभुवा बबेरु-बाँदा

सम्बद्ध

बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी

1. बी०ए०- 2008 से संचालित
2. बी०एस०सी- 2016 से संचालित
3. बी0एड0- 2015 से संचालित

अवस्थिति

उ०प्र० जिला मुख्यालय बाँदा से 40 किमी. बबेरु तहसील, बबेरु तहसील से मर्का रोड़ पर 9 कि० दूरी भभुवा ग्राम सभा में स्थित

संस्थापक - श्री भागवत सिंह

प्रबंधक - श्री रामकिशोर सिंह

अध्यक्ष - श्री सुरेन्द्र सिंह

संचालक - श्री डा० संजीव कुमार सिंह

प्रेरणा श्रोत

भगवत प्रसाद सिंह

संस्थापक
स्व. गया प्रसाद महाविद्यालय
भभुवा (बाँदा)

शिक्षा का सर्वश्रेष्ठ उद्देश्य मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षाविदों के द्वारा माना गया है। जो इस समय उपेक्षित हो रहा है, शिक्षा का दार्शनिक लक्ष्य पुरूषार्थ एवम् आत्म साक्षात्कार भी है, जिसमें जीवन के चारो पुरूषार्थ, धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष भी सम्मिलित हैं। ज्ञान एवं निपुणता के साथ जीवन को निश्चित दिशा देना तथा उचित अनुचित का विवेक जाग्रत करना भी शिक्षा का एक मूल्य उद्देश्य है। शिक्षा के अन्य उद्देश्यों में ज्ञान के साथ जीविको पार्जन की कला सिखाना एवं जीवन में उच्च मूल्यों का विकास करना भी आता है। प्राद्योगिक शिक्षा में जीविकोपार्जन की कला सिखाई जाती है, परन्तु चरित्र से जुड़ी अन्य बातों की उपेक्षा की जाती है। इन सभी बातों को दृष्टि में रखते हुए युवकों को भारत के नये स्वरूप को पहचानने, स्वच्छ चरित्र का विकास करने, अनुशासन से युक्त समाज का निर्माण करने तथा छात्र-छात्राओं के भविष्य को सत्यात्मक एवं समृद्ध बनाने के लिए हमने स्व. गया प्रसाद महाविद्यालय भभुवा-बबेरू (बाँदा) का शुभारम्भ किया है। आशा है इस संस्था के माध्यम से शिक्षा के उच्च उद्देश्यों की पूर्ति होगी।

प्रबन्धक की कलम से

रामकिशोर सिंह

प्रबन्धक

स्व. गया प्रसाद महाविद्यालय

भभुवा (बाँदा)

मुझे नगर बबेरू एवं जनपद (बाँदा) की बुद्धिजीवी जनता को सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि स्व० गया प्रसाद महाविद्यालय भभुवा बबेरू (बाँदा) अपनी स्थापना से ही अग्रोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। इस महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 24 मई 2007 में छात्र/छात्राओं के आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर गुणात्मक एवं रचनात्मक उच्च शिक्षा प्रदान करने की दृष्टि से की गयी है। जिससे उनके मानसिक बौद्धिक तथा चारित्रिक विकास में महाविद्यालय अपनी भूमिका का निर्वाहन कर सके।

महाविद्यालय को बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी से कला संकाय सन् 2008, शिक्षासंकाय (बी.एड.) सन् 2015 एवं बी.एस.सी. सन् 2016 से सम्बद्धता प्राप्त है। संस्थागत विद्यार्थी के रूप में प्रवेश लेकर अपने भविष्य के सपनों को साकार कर सकेंगे। एवं अभिभावकगण अपने अमूल्य मत-भावनाओं द्वारा अधिगम के सृजन में सकारात्मक सहयोग करते रहेंगे। मैं अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं के सहयोग की कामना इस आशा से करता हूँ कि हमारे भविष्य वर्तमान की मूल सत्ता विकास की धारा निरन्तर रूप में प्रवाहित हो जिसका उत्साह यह महाविद्यालय हो जिससे जिससे बबेरू बाँदा की धरती शस्यश्यामला और जन गण मन धन्य हो।

इसी मंगलमय कामना के साथ में महाविद्यालय के प्रवक्ताओं एवं प्राचार्य को साधुवाद देना चाहता हूँ। और कामना करता हूँ कि उनकी भूमिका में सक्रियता आये और भविष्य में यह निर्धन क्षेत्र का महाविद्यालय शिक्षा में राष्ट्रवाद के विकास की धुरी बनकर हिमालय के तुल्य अविचल रहे।

डा. राजीव कुमार सिंह

संचालक
स्व. गया प्रसाद महाविद्यालय
भभुवा (बाँदा)

प्रिय छात्रों,

स्व. गया प्रसाद महाविद्यालय में आपका स्वागत है, जो उच्च शिक्षा के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानो में से एक है। कालेज की स्थापना वर्ष 2008 में की गई थी और तब से कालेज ने उत्कृष्टता के एक जीवंत केन्द्र के लिए परिपक्व होने के लिए प्रगतिशील पहल की है। हमारा मानना है कि शिक्षा केवल डिग्री और प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए नही है। इसलिए स्व. गया प्रसाद महाविद्यालय में हम प्रत्येक छात्र की छिपी हुई क्षमता को अनलॉक करने के लिए क्लास रूम और स्थापित पाठ्यक्रम की सीमाओं से परे जाते है। और विश्लेषणात्मक दिमाग और वैज्ञानिक स्वाभाव की खेती के साथ- साथ नैतिक मूल्यो को प्रदान करने पर है, जोछात्रो को जो भी चुनौतियों का सामना करने से लैस करता है। कालेज नवीनतम पाठ्यक्रम डिजाइन नवीन के उपयोग के माध्यम से नौकरी उन्मुख गुणवक्ता शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। स्व. गया प्रसाद महाविद्यालय समर्पित संकाय द्वारा हमारे गातिशील औ दूरदर्शी प्रबंधन द्वारा पोषित शिक्षाविदो खेल, कला और व्यक्तिव व विकास पाठ्यक्रम का एक स्वस्थ्य मिश्रण प्रदान करता है। अतिरिक्त सुविधाओं में एक वस्तुशिल्प रूप में अद्भुत और विशाल परिसर, उच्च तकनीक प्रयोग शालाएं, एक समृद्ध पुस्तकालय और बेहतरीन सुविधाएँ उपलब्ध है। हमारा कालेज समय की बदलती जरूरतो के साथ आगे बढ़ने मे विश्वास रखता है। वर्षो से हमारा जोर वैश्विक आउट लुक के साथ मूल्य आधारित पाठ्यक्रम शुरू करने पर रहा है। एक बार फिर मै स्व. गया प्रसाद महाविद्यालय परिवार में आपका स्वागत करता हूँ और इमानदारी से आशा करता हूँ कि इस विश्वस्तरीय संस्थान में आपके वर्ष फलदायी और समृद्ध होगें और आपके जीवन को एक शानदार सफलता देगें मै आपसे आपेक्षा करता हूँ कि आप इस प्रास्पेक्टस को ध्यान पूर्वक पढ़े और शिक्षा में एक नया अर्थ देने के लिए हमारे मिशन को पूरा करने में अपने सहयोग और समर्थन का विस्तार करें। सभी को नवीन सत्र की शुभकामनाएँ।

प्राचार्य की कलम से

प्राचार्य

स्व. गया प्रसाद महाविद्यालय, भभुवा (बाँदा)

अपने क्षेत्र के अभिभावकों तथा उच्च शिक्षा के लिए संघर्षरत छात्रों के लिए यह एक सुखद सन्देश है कि अब उनके अपने क्षेत्र भगुवा-बवेरू (बाँदा) में स्व० गया प्रसाद महाविद्यालय भगुवा की स्थापना हो गयी है जिसे बुन्देलखण्ड वि० वि० झाँसी से बी.एड, बी.एस.सी., बी.ए. में सम्बद्धता प्राप्त है छात्र/छात्रायें इस संस्था में नियमित विद्यार्थी के रूप में प्रवेश लेकर अपने शैक्षिक भविष्य को आगे बढ़ा सकते हैं महाविद्यालय में प्रवेश सीटें नियमित है निधिक शिक्षा के क्षेत्र में पुस्तकालय की भूमिका महत्वपूर्ण बने इसके लिए छात्रों को अनुशासित वातावरण में पुस्तकालय का उपयोग भी आवश्यक है छात्र/छात्राओं के अध्ययन में कोई भी कठिनाई हो तो उसे हल करने के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य के नाते मैं अर्द्धनिशकृत संकल्पित रहूँगा। अनुशासन शिक्षक की देवता, इन्सान को मानव एवं ज्ञान को अगृत बनाता है। इस अनुशासन रूपी अमृत का पान कर बालक बालिका अकालिज अमरस्त्वको प्राप्त करते हैं। आज के व्यवसायपरक वातावरण में आम समाज की तरह हमारी संस्थाओं में भी अराजकता, विभीषिका, और कानून को तोड़कर गैरकानूनी कार्यों को करने वालो तत्वों की संख्या बढ़ती जा रही है। मैं समस्त क्षेत्रवासियों से संकल्प लेता हूँ कि उनके इस महाविद्यालय को इस अराजकता का कारखाना नही बनने दूंगा एवं गुरू-शिष्य परम्परा को पुनः जीवित कर अनुशासन का सुरम्य वातावरण सृजित करूँगा।

महाविद्यालय में अनुशासित, शैक्षिक सांस्कृतिक वातावरण निर्माण में छात्रों अभिभावकों और साथी शिक्षकों के अमूल्य सहयोग का आकांक्षी हूँ।

पाठ्यक्रम विवरण

शिक्षा संकाय

बी० एड० प्रथम वर्ष में प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को 3 अनिवार्य विषय एवं 1 वैकल्पिक विषय तथा 2 शिक्षण विषय का अध्ययन करना होगा।

अनिवार्य विषय (प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को सभी विषय का चुनाव करना होगा।)

1- शिक्षा में दार्शनिक और समाजशास्त्रीय परिदृश्य

2- शिक्षा में मनोवैज्ञानिक परिदृश्य

3- शारीरिक शिक्षा स्वास्थ्य एवं योग

वैकल्पिक विषय (प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को 1 विषय का चुनाव करना होगा।)

1- शिक्षा के समकालीन मुद्दे

2- पाठ्यक्रम विकास

3- शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन

शिक्षण विषय (प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को 2 विषयों का चुनाव करना होगा।)

हिन्दी, उर्दू, संस्कृत, अंग्रेजी, समाजिक विज्ञान, ग्रह विज्ञान, कॉमर्स, गणित, जीव विज्ञान, पदार्थ विज्ञान, कम्प्यूटर शिक्षण

बी० एड० द्वितीय वर्ष में प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को 3 अनिवार्य विषय एवं 1 वैकल्पिक विषयतथा 2 शिक्षण विषय का अध्ययन करना होगा।

अनिवार्य विषय (प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को सभी विषय का चुनाव करना होगा।)

1- भारतीय शिक्षा के एतिहासिक परिप्रेक्ष्य

2- सूचना और शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी

3- समावेशी शिक्षा

वैकल्पिक विषय (प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को 1 विषय का चुनाव करना होगा।)

1- मूल शिक्षा के परिप्रेक्ष्य

2- शिक्षा प्रशासन एवं प्रबंधन

3- निर्देशन एवं परामर्श

शिक्षण विषय (प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को 2 विषयों का चुनाव करना होगा।)

बी०एड० प्रथम वर्ष में लिए गये शिक्षण विषय बी०एड० द्वितीय वर्ष में लेना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम विवरण

कला संकाय

बी० ए० प्रथम वर्ष के छात्रों को निम्न अनिवार्य विषय लेना पड़ेगा। मानवाधिकार एवं पर्यावरण शिक्षामहाविद्यालय में उपलब्ध वैकल्पिक विषयों में से 3 विषय का चयन करना होगा।

1) हिन्दी साहित्य
2) संस्कृत सहित्य
3) अंग्रेजी साहित्य
4) राजनीति साहित्य
5) इतिहास
6) समाजशास्त्र
7) शिक्षाशास्त्र
8) भूगोल
9) गृहविज्ञान
10) अर्थशास्त्र

1. बी०ए० तृतीय में द्वितीय वर्ष के विषयों में से किन्ही दो विषयों का चयन किया जायेगा।
2. उपलब्ध विषयों में सीटों की सूचना महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

नोट- मानवाधिकार एवं पर्यावरण विषय को प्रत्येक छात्र/छात्रा को प्रथम वर्ष में उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। अनुउत्तीर्ण होने की दशा में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क छात्र/छात्रा को स्वयं जमा करना होगा।

पाठ्यक्रम विवरण

विज्ञान संकाय

महाविद्यालय में बी०एस०सी० मैथ तथा वायों दोनो ग्रुपों से किया जा सकता है।

मैथ ग्रुप के छात्र को निम्न विषय लेना पडेगा-

1) भौतिक विज्ञान

2) रसायन विज्ञान

3) गणित

बायो ग्रुप के छात्र के निम्न विषय होगे-

1) वनस्पति विज्ञान

2) जन्तु विज्ञान

3) रसायन विज्ञान

बी० एस० सी० तृतीय में केवल दो विषयों का चयन करना होगा।

नोट- मानवाधिकार एवं पर्यावरण विषय को प्रत्येक छात्र/छात्रा को प्रथम वर्ष में उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। अनुउत्तीर्ण होने की दशा में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क छात्र/छात्रा को स्वयं जमा करना होगा।

शुल्क सम्बन्धी नियम

1. छात्रों को सभी प्रकार के शुल्क का भुगतान सत्र आरम्भ में ही करना होगा, चाहे प्रवेश विलम्ब से ही हो।
2. किसी भी प्रकार के भुगतान की रसीद छात्र अवश्य प्राप्त कर लें।
3. कोई भी छात्र कालेज का अधिकृत छात्र तभी माना जायेगा जब वह मांगने पर अपना परिचय-पत्र दिखा सके।
4. शुल्क की धनराशि एक बार जमा कर देने के बाद किसी भी दशा में वापस नही होगी।
5. छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि शुल्क जमा करने की रसीद अपने पास सुरक्षित रखें और आवश्यकता पड़ने पर महाविद्यालय में प्रस्तुत कर सकें।
6. सभी छात्र अपना शुल्क कार्यालय काउन्टर में ही जमा करें। महाविद्यालय में शिक्षण शुल्क उ० प्र० शासन लखनऊ के निर्देश पत्र सं० 1960 सत्तर 2-97 (5) 97 दिनांक 11 नवम्बर 1997 के अनुरूप ही ली जाएगी। शासनादेश में किसी भी प्रकार का परिवर्तन जो स्ववित्त पोषित महाविद्यालयों के लिए होगा, महाविद्यालय तथा छात्र/छात्राओ को मान्य होगा।

   (1) परीक्षा फार्म छात्र/छात्रा को स्वयं ऑनलाइन करना पड़ेगा।

   (2) विश्वविद्यालय परीक्षा फार्म शुल्क अलग से देय होगा।

परिचय पत्र

महाविद्यालय के प्रत्येक छात्र/छात्रा के पास परिचय-पत्र रहना अनिवार्य है महाविद्यालय में प्रवेश लेने के पश्चात् परिचय-पत्र प्राप्त करने हेतु मुख्य अनुशासन अधिकारी के कार्यालय में सम्पर्क स्थापित करना होगा। कालेज में एक मुख्य अनुशासन अधिकारी के साथ दो सहायक अनुशासन अधिकारी होंगे। परिचय पत्र खो जाने पर इस आशय का एक प्रार्थना-पत्र मुख्य अनुशासन अधिकारी को देंगे तथा 30 रू० शुल्क कालेज फीस काउन्टर पर जमा करने पर दूसरा परिचय पत्र प्राप्त हो सकेगा।

अनुशासन समिति

महाविद्यालय में अनुशासन बनाये रखने की दृष्टि से अनुशासन समिति का गठन किया गया है अनुशासन समिति में प्राचार्य द्वारा नामित शिक्षक होंगे। नामित अनुशासन अधिकारी के साथ प्रतिनिधि भी होंगे अनुशासन अधिकारी के कार्य निम्नलिखित है।

1. छात्रों को विविध समस्याओं को यथा सम्भव समाधान करना होगा।
2. प्राचार्य की आज्ञा के बिना महाविद्यालय में कोई भी समारोह आयोजित नहीं किया जा सकता।
3. छात्रों का परिचय पत्र की व्यवस्था करना।
4. मुख्य अनुशासन अधिकारी द्वारा आवश्यकता अनुसार यथा समय समिति की बैठक बुलाना।
5. छात्रों के आपसी झगड़ों का निपटारा करना तथा अनुशासन भंग करने वालों को निम्नलिखितरूप से दण्डित करना।

   क) अर्थ दण्ड

   ख) कक्षा में प्रवेश से रोक

   ग) महाविद्यालय से प्राप्त आर्थिक सहायता की समाप्ति

   घ) महाविद्यालय से निष्कासन

पुस्तकालय एवं वाचनालय

महाविद्यालय के पास प्रत्येक विषय के लिए आधुनिक उपयोगी पुस्तकों उपकरणों सुविधाओं एवं साज-सज्जा से युक्त पुस्तकालय है। पुस्तकालय में मासिक पत्रिका सप्ताहिक एवं दैनिक पत्र पत्रिकायें उपलब्ध है। पुस्तकालय कार्ड बनवाने के लिए सभी छात्रों को अपना परिचय-पत्र एवं शुल्क रसीद एक कलर फोटो लेकर पुस्तकालय अध्यक्ष से सम्पर्क स्थापित कर पुस्तकालय कार्ड की दोनों प्रतियाँ प्राप्त करनी होंगी जिससे उसे पुस्तकालय की सुविधा प्राप्त हो सकेगी।

आवश्यक निर्देश

1. पुस्तकालय से प्रत्येक छात्र को 2 पुस्तकें 15 दिनों के लिय प्रदान की जायेगी।
2. पुस्तकें लेने के लिये परिचय पत्र तथा पुस्तकालय कार्ड लाना अनिवार्य है।
3. विलम्ब से पुस्तक जमा करने पर महाविद्यालय द्वारा निर्धारित अर्थ दण्ड जमा करना होगा।
4. खोई या क्षतिग्रस्त पुस्तक का पूरा मूल्य जमा करना होगा।
5. पुस्तकालय कार्ड खो जाने पर 30 रु० शुल्क जमा कर दूसरा कार्ड बनवाया जा सकता है।

छात्रवृत्ति आवेदन पत्र

छात्रवृत्ति आवेदन फार्म ऑनलाइन (scholarship.up.gov.in@scholarships.gov.in) भरने के उपरान्त शासन द्वारा निर्धारित तिथि तक छात्रवृत्ति आवेदन-पत्र स्वीकार किया जायेगा। सामान्य जाति/अनुसूचित जाति/जनजाति/पिछड़ी जाति/अल्पसंख्यक छात्र/छात्राओं के छात्रवृत्ति फार्म सम्पूर्ण सूचनाओं सहित तीन प्रतियों में महाविद्यालय में जमा होगा।

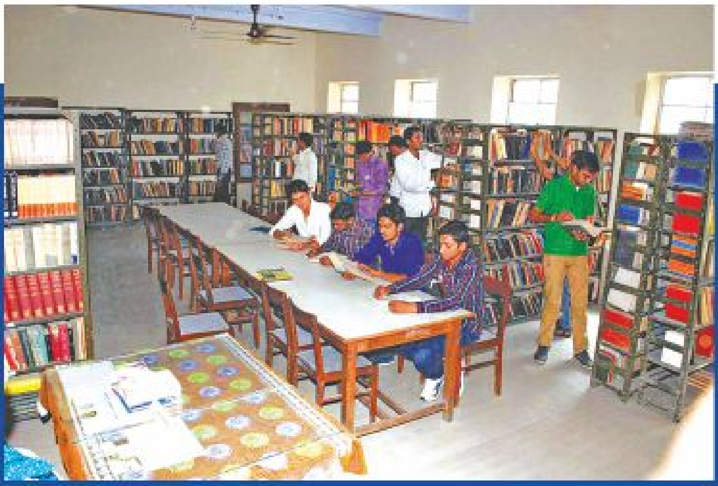

प्रवेश के नियम

1. महाविद्यालय में प्रवेश हेतु बु० वि० झांसी की वेबसाइट में छात्र/छात्रा को स्वयं रजिस्ट्रेशन कराना होगा।
2. ऑनलाइन आवेदन से पूर्व प्रवेशार्थी महाविद्यालय के काउंटर से उपलब्ध विषय तथा विषय ग्रुपों की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।
3. छात्र/छात्रा द्वारा ऑनलाइन आवेदन में जिन विषयों का उल्लेख किया जाता है किंतु विश्वविद्यालय को आवंटित विषय ग्रुप तथा उन ग्रुपों में उपलब्ध सीटों के सापेक्ष ही प्रवेशार्थी को विषय ग्रुप आवंटित किये जायेगें।
4. वि०वि० द्वारा मेरिट सूची जारी कराने के उपरांत छात्र/छात्रा को प्रवेश फार्म के साथ फोटो, हाई स्कूल एवं अंतिम शिक्षा के अंकपत्र / प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र अंतिम संस्था का स्थानान्तरण प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र संलग्न कर प्रवेश समिति के सम्मुख उपस्थित होना पड़ेगा।
5. द्वितीय/तृतीय वर्ष की कक्षा में प्रवेश के लिए छात्र/छात्रा निर्धारित आवेदन पत्र के साथ हाईस्कूल प्रथम / द्वितीय वर्ष की अंकतालिका एवं जाति प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
6. अपूर्ण अथवा त्रुटिपूर्ण आवेदन पत्र प्रवेश समिति द्वारा स्वीकार नही किया जायेगा।
7. महाविद्यालय की प्रवेश समिति द्वारा नियमानुसार प्रवेश दिया जायेगा।
8. प्रवेश फार्म में अपना नवीनतम सम्पर्क न० अवश्य लिखे ताकि छात्र/छात्रा को जरुरी सूचनायें दी जा सकें।
9. प्रवेश के उपरांत अपना परिचय पत्र तथा पुस्तकालय कार्ड अवश्य बनवा लें। परिचय पत्र के बिना महाविद्यालय में प्रवेश वर्जित होगा।
10. सभी छात्र/छात्राओं की कक्षाओं में 85% उपस्थित अनिवार्य है इससे कम उपस्थिति पर परीक्षा में सम्मिलित होना सम्भव नहीं।
11. सभी छात्र/छात्रा अपना परीक्षा फार्म स्वय ऑनलाइन भर कर उसका प्रिन्ट ऑउट निर्धारित तिथि तक महाविद्यालय में अवश्य जमा करि दया जाये।

छात्राओं हेतु विशेष सुविधा

1) छात्राओं हेतु गर्ल्स कॉमन रूम की व्यवस्था।
2) पुस्तकालय एवं वाचनालय हेतु अलग व्यवस्था।
3) प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अलग व्यवस्था।
4) छात्राओं हेतु संगीत खेलकूद सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि की विशेष व्यवस्था।
5) शिक्षण हेतु उच्च एवं अनुभवशील प्राध्यापकाओं की व्यवस्था।
6) छात्राओं को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं छात्रवृत्ति आदि में विशेष प्राथमिकता।
7) छात्राओं द्वारा किसी भी क्षेत्र में उच्च उपलब्धि प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया जाता है।
8) अनुशासन समिति की व्यवस्था।
9) सुरक्षा की विशेष व्यवस्था।

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

महाविद्यालय में समय-समय पर साहित्यक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। जिसमें निबन्ध, कहानी एवं कविता आदि प्रतियोगितायें शामिल हैं। सर्वोत्कृष्ट पुरस्कृत रचनायें पत्रिका हेतु चयनित की जाती है। सेमिनार कक्षायें छात्रों के अध्ययन को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु सेमिनार एवं अतिरिक्त कक्षाओं का प्रबन्ध है। जिसमें प्रत्येक छात्र को उपस्थित रहना अति आवश्यक है। अनुपस्थिति की दशा में अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

एक झलक

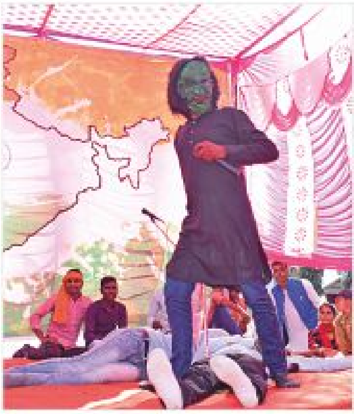

वार्षिक कार्यक्रम

पर्यावरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम

हम पृथ्वी पर जीवित है क्योंकि इस धरती पर जीवनदायी पर्यावरण उपस्थित है। विभिन्न प्रकार की वनस्पतियां, पशु-पक्षी एवं मौसम समूचा जीवन एक चक्र की भांति घुमा करता है। इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए स्व गया प्रसाद महाविद्यालय भभुवा के प्रांगण में समय समय पर वृक्षारोपण एवं वृक्षों के बचाने का कार्यक्रम किये जाते है, जिससे छात्र-छात्राएं अपने जीवन में वृक्षों की उपयोगिता को समझ सके तथा अपने वातावरण को बचा सकें। पर्यावरण की पूंजी जीवन को आनंद देती है।

मेहंदी एवं फ्लावरपॉट

फूलों की सुन्दरता पेड़ों में होती है किंतु टूटने के बाद वह फूल फूलदानों में अच्छे लगते है। फूलों को पॉट में लगाना एवं मेहंदी लगाना एक कला है जो रचनात्मक किया कहलाती है। सभी छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिता के माध्यम से यह अवसर मिलता है।

रंगोली प्रतियोगिता

रंगो से बनाई गई आकृति रंगोली कहलाती है। जो अति सुन्दर लगती है। यह एक कला है, इसे त्योहारो में लोग अपने घरों में बनाते है। छात्राओं में इसको भी सीखना और अपनी कला का प्रदर्शन करने का अवसर प्रतियोगिता के माध्यम से दिया जाता है।

खेलकूद एवं योग शिविर

स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है। आज पूरे विश्व में मानव जीवन में अनेक समस्याएं देखने को मिल रही है। हम जितना आधुनिकता की तरफ बढ़ रहे है उतनी ही हम बीमारियों की चपेट में आते जा रहे है। इन सब समस्याओं से अपने आप को बचाने के लिए हमारे महाविद्यालय में योग शिविर के माध्यम से अपने आपको स्वस्थ्य तथा स्वच्छ रखने के तरीके सिखाये जाते है। तथा समय-समय पर महाविद्यालय द्वारा कबड्डी, बालीबाल, फुटबाल, क्रिकेट, बैटमिन्टन, खो-खो, सतरंज आदि खेलो का आयोजन ब्लॉक, जिला, प्रदेश स्तर पर किया जाता है, जिससे बच्चों का भविष्य उज्जवल हो सके।

महत्वपूर्ण सूचना एव निर्देश

1. इस विवरणिका में प्रस्तुत विवरण / सूचनायें प्रवेश हेतु अभ्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिये है इसमें निदिष्ट किसी नियम, परिनियम एवं प्राविधान आदि की व्याख्या के सम्बंध में उ०प्र० राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1913 तथा उसके अंतर्गत निर्मित बु० वि० झांसी की परिनियमावली के परिनियम एवं शासनादेश सर्वोपरि होगें।
2. प्रवेश आवेदन पत्र भरने से पूर्व प्रत्येक छात्र/छात्रा को इस विवरणिका को ध्यान से पढ़ना चाहिये।
3. प्रवेश के समय प्रवेशार्थी को स्वयं महाविद्यालय में उपस्थित होना पड़ेगा।
4. प्रवेश हेतु इच्छुक सभी छात्र/छात्राओं ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के समय भरे गये आवेदन को भली भांति चेक कर लें / यदि उसमें कोई त्रुटि है तो प्रवेश के समय महाविद्यालय को त्रुटि की सूचना लिखित में अवश्य दें। अन्यथा बाद में कोई परिवर्तन सम्भव नही होगा।
5. महाविद्यालय में वाहन पार्किंग की सुविधा है अतः सभी प्रवेशार्थी तथा छात्र निर्धारित स्थान पर ही अपना वाहन खडा करें।
6. महाविद्यालय में पान व पान मसाला खाकर इधर उधर थूकना पूर्णतः वर्जित है धूमपान करते हुये पाये जाने पर अनुशासन समिति द्वारा छात्र पर जुर्माना या महाविद्यालय से निष्काषन की कार्यवाही की जा सकती है।
7. महाविद्यालय ज्ञान का मंदिर है इसे साफ स्वच्छ रखने तथा पठन-पाठन हेतु अनुकूल माहौल बनाने के लिये सभी छात्र/छात्राओं तथा अभिभावकों का सहयोग तथा मार्गदर्शन वांछित है।
8. प्रत्येक छात्र/छात्रा को प्रतिदिन सूचना पट अवश्य देखना चाहिये।
9. यदि किसी छात्र का पता तथा सम्पर्क नं० बदलता है तो उनकी सूचना महाविद्यालय कार्यालय में अवश्य दें।
10. यदि किसी छात्र-छात्रा द्वारा महाविद्यालय में अनुशासनहीना या अनुचित आचरण किया जाता है तो उसका प्रवेश निरस्त करि दया जाएगा।

सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राएं

विश्वविद्यालय में टॉप 20 स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को पुरस्कार प्रदान करते हुए

विश्वविद्यालय में टॉप 20 स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को पुरस्कार प्रदान करते हुए

कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को गोल्ड शील्ड प्रदान करते हुए

LATE GAYA PRASAD DEGREE COLLEGE

Affiliated to : Bundelkhand University Jhansi

BHABHUWA, BABERU (BANDA)

Contact : 945111580, 9129736435, 9454169006, 9044034133